सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 27 SEPTEMBER TO 03 OCTOBER 2024 • VOLUME 10 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

महत्व हमेशा खुद को ज्यादा देना क्योंकि अगर दूसरों को दोगे तो अपना आत्म सम्मान ही खो दोगे।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

राष्ट्रपति ने किया सियाचिन बेस कैंप का दौरा, जवानों से की बातचीत

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को (26 सितंबर, 2024) सियाचिन बेस कैंप का दौरा किया और सियाचिन युद्ध स्मारक पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह युद्ध स्मारक 13 अप्रैल, 1984 को सियाचिन ग्लेशियर पर भारतीय सेना के ऑपरेशन मेघदूत शुरू करने के बाद से शहीद हुए सैनिकों और अधिकारियों के बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रपति ने वहां तैनात सैनिकों को भी संबोधित किया। राष्ट्रपति ने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर के रूप में उन्हें उन पर बहुत गर्व है और देश के सभी नागरिक उनकी बहादुरी और जज्बे को सलाम करते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि अप्रैल 1984 में शुरू किए गए ऑपरेशन मेघदूत के बाद से भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर सैनिकों और अधिकारियों ने इस क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की है। यहां तैनात अधिकारी और जवान प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों का सामना करते हैं। जबरदस्त बर्फबारी और शून्य से 50 डिग्री नीचे तापमान जैसी कठिन परिस्थितियों में भी वे पूरी निष्ठा और सतर्कता के साथ अपने मोर्चे पर डटे रहते हैं। यहां तैनात जवान और अधिकारी मातृभूमि की रक्षा के लिए त्याग एवं सहनशीलता का असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने सैनिकों से कहा कि सभी देशवासी उनके बलिदान और बहादुरी से अवगत हैं और उनका सम्मान करते हैं।

ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से बच्चों के यौन शोषण के मामलों में बड़ी कार्रवाई

बाल शोषण की रिपोर्ट के लिए लोग स्टेट साइबर क्राइम डिवीजन या स्थानीय जिला साइबर क्राइम पुलिस थाने से कर सकते हैं संपर्क

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब पुलिस के साइबर क्राइम डिवीजन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों के जरिए बच्चों के यौन शोषण संबंधी सामग्री (सीएसएएम) को देखने, रखने और आगे भेजने की गतिविधियों में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने के अलावा इस मामले में 54 संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान भी की है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी), पंजाब गौरव यादव ने दी।

यह कार्रवाई माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनाए गए फैसले के बाद सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि बच्चों के यौन शोषण संबंधी सामग्री को देखना, अपने पास रखना, आगे भेजना और इस संबंध में रिपोर्ट न करना, प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेन्सेज (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। सीएसएएम में कोई भी ऐसी सामग्री शामिल

होती है जिसमें नाबालिगों के यौन शोषण से संबंधित फोटो, वीडियो या मीडिया शामिल हो, जिसे देखना, अपने पास रखना या आगे भेजना गैर-कानूनी है, जिससे पीड़ितों को जीवनभर के लिए बड़ा नुकसान हो सकता है और यह बच्चों के गंभीर शोषण के मामलों के तहत आता है।

उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान फाजिल्का के रामसरा निवासी विजयपाल के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने मानक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए आरोपी से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए हैं और उचित तरीके से हैश वैल्यूज भी दर्ज की गई हैं। इस संबंध में साइबर पुलिस थाना में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 67बी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि बच्चों के यौन शोषण संबंधी सामग्री को प्रसारित करने या इसकी वितरण के बारे में गृह मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों का पालन करते हुए राज्य के साइबर क्राइम डिवीजन ने ऐसी सामग्री को देखने, अपने पास रखने, प्रसारित करने और आगे भेजने की गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों को पकड़ने के लिए सीपीएस/एसएसपीएस के साथ समन्वय के जरिए एक विशेष अभियान चलाया।

उन्होंने बताया कि कार्रवाई के पहले चरण में पंजाब भर में 54 संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की गई है, जबकि फाजिल्का से इंस्टाग्राम और टेलीग्राम का उपयोग करके उक्त सामग्री को बेचने और दूसरों के साथ साझा करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

डीजीपी ने बताया कि पुलिस टीमों ने ऑपरेशन के दौरान विभिन्न संदिग्धों से 39 उपकरण भी जब्त किए हैं, जिन्हें फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजा गया है। इसके अलावा, ऐसे घिनौने अपराधों में शामिल अन्य अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए जांच की जा रही है।

रिश्वत लेते पीएसपीसीएल का जेई गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई गई मुहिम के दौरान, पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने आज पंजाब राज्य पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सब डिवीजन, अमृतसर दक्षिण में तैनात जूनियर इंजीनियर रंजीत सिंह को 25000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को नवदीप सिंह, निवासी अमर एवीएन्यू, अजनाला रोड, अमृतसर द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो को सूचना दी थी कि उक्त मुल्जिम ने शिकायतकर्ता पर लगाए गए 6,00,000 रुपये के जुर्माने की कटौती करने के बदले 1,00,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि मुल्जिम पहले भी रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 50,000 रुपये ले चुका है।

प्रवक्ता ने कहा कि इस शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाकर उक्त आरोपी को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 25,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुल्जिम के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना अमृतसर रेंज में भ्रष्टाचार रोकने के कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी को कल अदालत में पेश किया जाएगा और इस मामले की आगे की कार्रवाई जारी है।

लाइनमैन के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) सब-डिवीजन, जैतों, जिला फरीदकोट में तैनात लाइनमैन गुरभेज सिंह के खिलाफ 4000 रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी के खिलाफ यह मामला मनिंदरजीत सिंह निवासी जैतों, जिला फरीदकोट द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसके घर में ओवरलोड बिजली कनेक्शन के उपयोग को लेकर धमकी देकर आरोपी ने उससे 4000 रुपए रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने लाइनमैन द्वारा रिश्वत मांगने की बातचीत अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर ली थी। जांच के दौरान इस शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए गए। आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाने फिरोजपुर रेंज में मामला दर्ज किया गया है।

दुकानों की नेम प्लेट पर सुक्खू सरकार ने साफ कर दिया इरादा

शिमला. हिमाचल प्रदेश सरकार में शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह अपने बयान पर फंसते हुए नजर आ रहे हैं। विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार

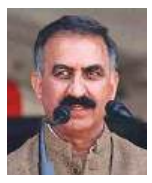

को एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने यह कहा था कि उत्तर प्रदेश के तर्ज पर हिमाचल प्रदेश में भी दुकानों पर फोटो युक्त पहचान पत्र लगाना अनिवार्य होगा। इस पर राज्य सरकार का स्पष्टीकरण सामने आ गया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल राज्य सरकार ने इस तरह का कोई आदेश नहीं दिया है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया है कि इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया है। यही कमेटी इस पूरे मामले में फैसला लेगी। अभी तक प्रदेश सरकार ने वेंडर्स के अपनी दुकानों पर नेम प्लेट या अन्य पहचान अनिवार्य रूप से लगाने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है। कुल-मिलाकर राज्य सरकार के प्रवक्ता की ओर से जारी किए गए इस बयान के जरिए विक्रमादित्य सिंह की बात से अपना पल्ला झाड़ लिया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि इसके लिए राज्य के संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान की अध्यक्षता में कांग्रेस और भाजपा विधायकों की एक समिति का गठन किया गया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायती मंत्री अनिरूद्ध सिंह, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, विधायक अनिल शर्मा, सतपाल सिंह सत्ती, रणधीर शर्मा और हरीश जनारथा इस समिति के सदस्य हैं। यह समिति इस मामले में प्रदेश सरकार को अपनी सिफारिशें देने से पहले विभिन्न हितधारकों के सुझावों की समीक्षा करेगी।

हिमाचल मंत्रिमंडल की ओर से इन सिफारिशों का गहनता से विचार के बाद ही फैसला लिया जाएगा। स्ट्रीट वेंडर नीति के संबंध में समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त हुए हैं। इस मामले के हर पहलू पर संवेदनशीलता के साथ विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्ट्रीट वेंडर्स से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बारे में फैसला लेने से पहले सभी सुझावों पर संवेदनशीलता से विचार किया जाएगा।

सीएम मान अस्पताल में भर्ती, मजीठिया का दावा- लिवर ट्रांसप्लांट की तुरंत जरूरत

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री भगवंत मान को गुरुवार को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसे लेकर काफी राजनीति हो रही है क्योंकि अकाली दल ने दावा किया कि उन्हें लिवर की एक गंभीर बीमारी। अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री को भर्ती कराने की जानकारी जनता को क्यों नहीं दी गई और मेडिकल बुलेटिन भी जारी नहीं किया गया। हालांकि आप ने इसे एक रूटीन चेकअप बताया और कहा कि डॉक्टर ने बताया की उनकी तबीयत अब ठीक है। दरअसल बिक्रम सिंह मजीठिया ने सोशल मीडिया पर दावा किया, 'जानकारी के अनुसार सीएम लिवर सिरोसिस से पीड़ित हैं, जैसा कि मैंने पहले बताया था। उन्हें लिवर ट्रांसप्लांट की तुरंत जरूरत। फोर्टिस अस्पताल, मोहाली को सीएम के स्वास्थ्य के संबंध में मेडिकल बुलेटिन जलद जारी करना चाहिए।'

केजरीवाल के आरोपों पर भाजपा ने किया पलटवार

नई दिल्ली. जब से अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में सीएम की कुर्सी छोड़ी है, हर दिन वह भाजपा के खिलाए एक नया एजेंडा लेकर आ जाते हैं। आज एक बार फिर से भाजपा को लेकर केजरीवाल ने बड़ा दावा कर दिया। हालाकि, केजरीवाल

के दावे पर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने केजरीवाल को बातों का बाज़ीगर बताया। उन्होंने कहा कि जिन केजरीवाल के शासन में दिल्ली को 7 नये स्कूल नही मिले वह विधानसभा में 700 स्कूल बनाने का दावा कर गये। इसी तरह 500 मोहल्ला क्लीनिक बनाने का दावा किया जबकि दिल्ली में आज मात्र 300 के लगभग चालू मोहल्ला क्लीनिक हैं जिनमे ना कोई जांच की सुविधा है ना दवा की और इस सब के लिए केजरीवाल सरकार द्वारा बिना किसी योजना के प्रशासनिक प्रक्रिया पालन के इनका निर्माण करना। केजरीवाल ने झूठ बोला की मेरे पीछे से बस मार्शल हटा दिये जबकि सच यह है कि केजरीवाल ने पहले मार्शलों की बिना प्रशासनिक स्वीकृति नियुक्ति कर उनके जीवन से खिलवाड़ किया फिर जब मामला जांच में फंस गया तो खुद पत्र लिख कर उनको हटाने की सिफारिश की।

क्या कहा था केजरीवाल ने

आज दिल्ली विधानसभा में बोलते हुए केजरीवाल ने कहा कि मैं 3-4 दिन पहले भाजपा के एक बड़े नेता से मिला। मैंने उससे पूछा कि मुझे गिरफ्तार करके आपको क्या मिला? बोला कि आपके पीछे से हमने पूरी दिल्ली ठप्प कर दी। मैं स्तब्ध रह गया कि देश की राजधानी के 2 करोड़ लोगों की जिंदगी खराब करके वे खुश हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका मकसद था आम आदमी पार्टी की सरकार को बदनाम करना ताकि उनको वोट मिल जाएं। 27 साल से भाजपा का दिल्ली में वनवास है अब ये दिल्ली की जनता को परेशान करके वोट लेना चाहते हैं। आपके पास तो केंद्र सरकार है। केंद्र सरकार के पास अथाह पैसा है। केजरीवाल 500 मोहल्ला क्लीनिक बनाता है आप 5000 मोहल्ला क्लीनिक बनाओ न दिल्ली में। आपको कौन रोक रहा है? जनता बड़ी सयानी है।

कठुआ में चुनावी प्रचार के दौरान अमित शाह ने लगाई ऐलानों की झड़ी, बोले-

भाजपा ने आतंकवाद को समाप्त कर विकास के रास्ते खोले

कहा- किसानों के लिए बिजली की लागत 50% कम करेंगे, एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मेट्रो रेल का निर्माण व हर साल 100 मंदिरों की मरम्मत करेंगे

जम्मू-कश्मीर. जम्मू-कश्मीर के कठुआ में चुनावी प्रचार के दौरान अमित शाह ने गुरुवार को ऐलानों की झड़ी लगा दी। अमित शाह ने ऐलान करते हुए कहा कि हम किसानों के लिए बिजली की लागत 50% कम करेंगे, जम्मू में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मेट्रो रेल का निर्माण करेंगे और हर साल 100 मंदिरों की मरम्मत करेंगे जिन्हें आतंकवादियों ने तोड़ दिया था। उन्होंने आगे कहा कि हम तवी रिवरफ्रंट का भी निर्माण करेंगे और रणजीत सागर बांध में जल क्रीड़ाएं लाएंगे। हमने पात्र लाभार्थियों को 5 लाख सरकारी नौकरियां और 5 मरला (माप की स्थानीय इकाई) जमीन देने का फैसला किया है। वहीं, शाह ने जसरोटा में कहा कि आतंकवाद जाने के कारण जम्मू-कश्मीर में 55 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान हुआ है। उन्होंने कहा कि फारूक साहब, अब वो दिन लद गए, जब 8 हजार वोट मिलने से लोकसभा में जाते थे। अब जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनसी और कांग्रेस ने सालों तक जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को संरक्षण देने का काम किया। 40-40 साल तक आतंकवाद को ताकत देते रहे, जम्मू-कश्मीर के 40 हजार युवा शहीद हो गए, लेकिन इनको कोई परवाह नहीं। फारूक साहब, कांग्रेस और एनसी के शासन में ही आतंकवाद सबसे ज्यादा बढ़ा। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि एनसी का एजेंडा है- धारा 370 को वापस लाना। अरे, उमर अब्दुल्ला कान खोलकर सुन लो। आपकी तीसरी पीढ़ी भी आएगी तो धारा 370 अब वापस नहीं आ सकती। उन्होंने दम भरते हुए कहा कि अब्दुल्ला साहब और राहुल बाबा कान खोलकर सुन लो। ये नरेन्द्र मोदी सरकार है, आतंकवाद को हम पाताल तक दफना कर रहेंगे। मैं आज जसरोटा की वीर भूमि पर कहकर जाता हूं कि जब तक आतंकवाद चालू है हम पाकिस्तान को गोली का जवाब गोले से देने का काम करेंगे।

शाह ने कहा कि आपके जमाने में 10-10 प्रतिशत वोटिंग होती थी, हमारे जमाने में 50 से 65 प्रतिशत वोटिंग हो रही है। ये बताता है कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत हुआ है। उन्होंने दावा किया कि एनसी, कांग्रेस और पीडीपी ने सालों तक जम्मू-कश्मीर को विकास से महरुम रखा, आतंकवाद से पीड़ित रखा। भाजपा ने आतंकवाद को समाप्त कर विकास के नए रास्ते खोले हैं।

लेबनान तुरंत छोड़ दें सभी भारतीय, मोदी सरकार ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली. इजरायल और लेबनान के बीच लड़ाई अब भीषण रूप लेती जा रही है। इससे मीडिल ईस्ट में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। इससे

लेकर बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने लेबनान में भारतीय लोगों के लिए एडवाइजरी जारी कर दी। उन्हें तत्काल देश छोड़ने की सलाह दी है। बेरूत में भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि क्षेत्र में तनाव को देखते हुए भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा न करने की सलाह दी जाती है। लेबनान में पहले से मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को दृढ़ता से सलाह दी जाती है कि वो लेबनान छोड़ दें। जो लोग किसी कारण से रुके हुए हैं उन्हें अत्यंत सावधानी बरतने, अपनी गतिविधियों को रोकने और बेरूत में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है।

आपको बता दें कि हमास और इजरायल के बीच जंग को लगभग एक साल बीत चुके हैं। इजरायल अब हिजबुल्ला को खुलकर टारगेट कर रहा है। पिछले हफ्ते पेजर अटैक से शुरू हुआ हमला अब हवाई हमलों पर आ गया है। इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्ला के 1600 टारगेट को निशाना बनाया है और इन्हें नेस्तानाबूद कर दिया गया है। रात भर लेबनान में बम गिराए गए। हमलों में अब तक 492 मौतें होने की खबर है। इजरायल ने चेतावनी भी दी है कि हिजबुल्ला के खिलाफ तेजी से हमले किए जाएंगे।

ब्रिटेन ने अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों के साथ लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्ला और इजराइल के बीच तुरंत युद्धविराम का आह्वान किया है और चेताया है कि क्षेत्र में इस समय संघर्ष के पूर्ण युद्ध की तरफ बढ़ने का खतरा है।

कैब में सफर करने वालों को जरूर बरतनी चाहिए ये सावधानियां

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

ऑफिस में सुबह की शिफ्ट हो या फिर देर रात कहीं से घर लौटना हो, ऐप आधारित टैक्सी सर्विस ने हम सबकी जिंदगी को इस मामले में बहुत आसान बना दिया है। पर, ऐप से कैब की बुकिंग करवाते समय और यात्रा करते समय सतर्क रहना बहुत जरूरी है। फिर चाहे परिवार के साथ बाहर घूमने जाने की बात हो या रोजमर्रा के जीवन में कहीं आना-जाना हो। आजकल ऑनलाइन टैक्सी का चलन इतना बढ़ गया है कि बस या रिक्शा जैसे साधनों का इस्तेमाल लोग कम ही करते हैं। इसके कई कारण हैं।

वाजिब दाम में आरामदायक सफर और घर से बाहर निकलकर टैक्सी ढूंढने का झंझट भी नहीं। साथ ही रात हो या दिन किसी भी समय आप कहीं से भी अपने लिए सवारी आराम से बुक कर सकती हैं। पर, इन फायदों के बावजूद कैब द्वारा सफर के दौरान हुई दुर्घटनाओं के किस्से भी सुनने को मिलते ही रहते हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि कैब से सफर करना ही बंद कर दिया जाए, बस कुछ बातों को लेकर सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

रूट के बारे में जानकारी

कैब बुक करने से पहले अपने रूट के बारे में जानकारी अवश्य हासिल करें ताकि आपको रास्ते का अनुमान पहले से हो। यदि रास्ता जाना-पहचाना है तो ठीक है अन्यथा बेहतर होगा कि इस विषय में किसी परिचित से बात करके रास्ते में पड़ने वाली जगहों के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त कर लें। इससे कैब ड्राइवर को आप अपना गंतव्य बेहतर तरीके से बता सकेंगी और यदि ड्राइवर बिल्कुल ही नया रूट लेगा तो आप सतर्क होकर उससे सवाल भी पूछ सकती हैं।

विश्वसनीय कैब ऑपरेटर का चुनाव

ऐसी बहुत सी ऐप्स हैं, जो सामान्य से भी कम किराए पर सेवा प्रदान करने का दावा करती हैं। पर, उनकी विश्वसनीयता की कोई गारंटी नहीं होती है। इसलिए कुछ पैसे बचाने का लालच करने की बजाय सत्यापित और विश्वसनीय कैब सर्विस ही चुनें। साथ ही इस बात की भी जांच कर लें कि वहां से आने वाला ड्राइवर भी सत्यापित और पेशेवर हो। कैब बुंकग वाली ऐप्स पर ड्राइवर की रैंटग होती है, उसके आधार पर पर अंदाजा लगा सकती हैं कि वह आपके लिए सुरक्षित है या नहीं है।

ओटीपी का सत्यापन है जरूरी

हमेशा ऐसी कैब ऑपरेटर कंपनी के माध्यम से ही कैब बुक करें, जो वन टाइम ओटीपी का सत्यापन मांगती हो। इससे कैब बुक करते ही आपके पास एक ओटीपी आएगा, जिसे ड्राइवर से साझा करने

विभिन्न ऐप्स की मदद से झटपट टैक्सी, ऑटो या फिर बाइक की बुंकग ने खासकर महिलाओं की जिंदगी को बहुत आसान बनाया है। पर, इनमें सफर के दौरान सतर्कता भी जरूरी है। कैसे तकनीक की मदद से अपनी सुरक्षा की करें तसदीक, बता रहे हैं आईटी...

के बाद ही राइड शुरू हो पाएगी। ओटीपी सत्यापन की प्रक्रिया एक ऐसा फीचर है, जो सुरक्षित यात्रा के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि कंपनी द्वारा जारी किए गए ओटीपी के जरिए गाड़ी अपने गंतव्य तक पहुंचने के दौरान ट्रैंकग पर रहती है।

जीपीएस का इस्तेमाल करें

स्मार्टफोन में मौजूद जीपीएस सुविधा को समझें और सफर करते समय इसका इस्तेमाल करें। इसकी मदद से आप अपनी राइड के रूट पर नजर रख सकती हैं और यह भी पता कर सकती हैं कि अपनी मंजिल तक कितनी देर में पहुंच जाएंगी। यात्रा के दौरान हमेशा जीपीएस मैप ऑन रखें और उसे चेक करती रहें।

गाड़ी के नंबर और ड्राइवर की पुष्टि

गाड़ी का नंबर, ड्राइवर का विवरण और ओटीपी आने के बाद भी गाड़ी में बैठने से पहले सावधानी बरतें। यह सुनिश्चित करें कि गाड़ी का नंबर और ड्राइवर का नाम वही है, जो आपको कैब कंपनी ने भेजा है। गाड़ी में बैठने से पहले ड्राइवर का नाम पूछ लें और बता भी दें कि आपने कैब कहां जाने के लिए बुक की है। कैब बुक करने पर राइड डीटेल्स में गाड़ी के मॉडल, रंग, नंबर के साथ-साथ ड्राइवर की फोटो भी उसके विवरण सहित आती है। उससे मिलान करने के बाद ही गाड़ी में बैठें।

राइड की जानकारी साझा करें

विश्वसनीय कैब ऑपरेटर कंपनियां आपकी राइड डीटेल्स की जानकारी अपने करीबियों के साथ साझा करने की सुविधा भी देती हैं। इसलिए कैब बुक करते ही अपने परिवार के किसी सदस्य या करीबी के साथ अपनी राइड डिटेल्स साझा कर लें, ताकि वह जीपीएस सिस्टम के माध्यम से वे आपका रूट देख सकें। इससे उन्हें आपकी गाड़ी का नंबर और बाकि विवरण भी मिल जाएगा।

सतर्कता से मिलेगी सुरक्षा

शेयरंग वाली कैब इस्तेमाल कर रही हैं तो महिलाओं के साथ कार पूंलग को प्राथमिकता दें। कुछ कैब कंपनियां अनुरोध पर महिला यात्रियों के लिए महिला ड्राइवर की सुविधा भी देती हैं, उसका इस्तेमाल करें। बड़े कैब ऑपरेटर अपनी गाड़ियों में पैनिक बटन की सुविधा भी देते हैं, ताकि किसी आपात स्थिति में आप उसके माध्यम से अलर्ट भेज सकें।

DETOX YOUR MIND

माइंड को करें डिटॉक्स, कुछ दिनों में ही महसूस करेंगे शांति और पॉजिटिविटी

शरीर के साथ-साथ माइंड को डिटॉक्स करना भी बहुत जरूरी होता है। यहां जानिए किस तरह से आप माइंड को डिटाक्स कर सकते हैं ताकी शांति और पॉजिटिविटी महसूस कर पाएं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

बॉडी डिटॉक्स करने पर शरीर से टॉक्सिन को खत्म करने में मदद मिलती है। पूरे शरीर को डिटॉक्स करने के लिए एक स्पेशल डायट को फॉलो किया जाता है। शरीर के साथ ही माइंड को डिटॉक्स करना भी बहुत जरूरी होता है। दरअसल, हमारे आस-पास बहुत कुछ सी चीजें होती हैं। जिसकी वजह से लोग अच्छी चीजों को नजरंदाज करते जाते हैं। यही कारण है कि माइंड को डिटॉक्स करना जरूरी है। ऐसा करने पर व्यक्ति को खूब शांति और पॉजिटिविटी महसूस हो सकती है। यहां देखिए कुछ तरीके जिनकी मदद से आप माइंड को डिटॉक्स कर सकते हैं।

माइंड को कैसे करें डिटॉक्स

1) लिखना शुरु करें

दिमाग में एक अलग-अलग विचारों का चलना स्वभाविक है। इसकी वजह से हमारी ऊर्जा खत्म हो सकती है। लिखने से हमें इन विचारों से खुद को मुक्त करने में मदद मिल सकती है। लगातार इसे करने से हम इन विचारों पर दोबारा गौर कर सकते हैं और सीख सकते हैं कि उनका असर हमारे ऊपर किस तरह से हो रहा है।

2) रोजाना एक्सरसाइज करें

एक्सरसाइज न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी है, बल्कि यह दिमाग को डिटॉक्स करने में भी मदद करती है। वर्कआउट सेशन के दौरान शरीर डोपामाइन रिलीज करता है, जो हमारे मूड को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इसलिए एक्सरसाइज और खासकर योगाभ्यास बेहद फायदेमंद है।

3) मोटिवेटेड रहें

दिमाग को डिटॉक्स करने के लिए मोटिवेटेड रहना चाहिए। नकारात्मक सोच में न फंसें और अपने मन को शांत रखने के लिए खुद को मोटिवेटेड रखने की कोशिश करते रहें।

4) खुद के साथ समय बिताएं

माइंड को डिटॉक्स करने के लिए एक दिन की छुट्टी लें और कुछ ऐसा करने में समय बिताएं जो आपको पसंद है। आप अपना दिन बाहर बिताएं, पार्क जाएं, खाना बनाएं या किताब पढ़ें। ऐसा करने से माइंड से बुरे ख्यालों को निकालने में मदद मिलेगी। इससे आप पॉजिटिव महसूस करेंगे।

लाइफटाइम हैप्पी रहना चाहते हैं तो खुद में ये 5 खूबियां जरूर खोज लें

जालंधर ब्रीज (फीचर) . सक्सेजफुल होने के लिए खुद पर फोकस करना जरूरी है। जब तक आप खुश होकर किसी काम को करने की शुरुआत नहीं करेंगे। सक्सेज आसानी से हाथ नहीं लगेगी। इसलिए लाइफ कोच अक्सर अपने आप में इस तरह के 4-5 बदलावों को लाने के लिए बोलते हैं।

खुद को एक्सेप्ट करना सीखें- दूसरों के प्रभाव में आकर खुद के अंदर फिजिकल या इमोशनल बदलाव लाने की जरूरत नही है। अगर आपको लगता है कि आप जैसे भी हैं अच्छे हैं तो किसी की बात का निगेटिव असर पर्सनैलिटी पर ना पड़ने दें।

अपना बेस्ट दें – जब भी किसी काम की शुरुआत करें तो अपना बेस्ट दें। उस काम को पूरा करने के लिए अपनी पूरी मेहनत और लगन लगा दें। भले ही उस काम में सक्सेज ना मिले लेकिन मन में किसी भी तरह का पछतावा नहीं रहना चाहिए।

अपने आप पर भरोसा रखें – आत्मविश्वास जरूरी है किसी भी काम को लाइफ में पूरा करने के लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस रखें। तभी कठिन से कठिन काम को करना आासन हो पाएगा।

खुद पर जुल्म ना करें – किसी काम को पूरा करने के लिए या करियर में आगे बढ़ने के लिए भी अपनी फिजिकल या मेंटल हेल्थ के साथ खिलवाड़ ना करें। जितना हो सके बस उतना ही करें क्योंकि सेहत और लाइफ सबसे ज्यादा जरूरी है।

जिस चीज को पसंद करें वो काम करें – अगर आपको कोई काम अच्छा लगता है और वो पॉजिटिव काम करके खुशी मिलती है तो जरूर करें। अपनी हॉबी और शौक को पूरा जरूर करें। इससे मेंटल पीस मिलता है और आप ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करते हैं।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

गैस खत्म तो इंडक्शन चूल्हे पर भी बनेंगी फूली-फूली रोटियां, सही तरीका

गैस खत्म हो जाती है तो इंडक्शन बड़ा सहारा रहता है लेकिन इस पर रोटियां बनाना मुश्किल लगता है। रोटियां अक्सर इंडक्शन पर फूलती नहीं है और जल जाती है। लेकिन अब इस ट्रिक से फूली-फूली और नर्म रोटियां झटपट बनकर तैयार होंगी...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

जब भी घर में गैस खत्म होती है तो इंडक्शन बहुत मदद करता है। अकेले रह रहे लोगों के पास तो ज्यादातर इंडक्शन ही होता है।
वहीं ये चूल्हा घर में रहने से काफी सारे छोटे कामों को करने में मदद मिलती है।

इंडक्शन पर दाल-चावल तो आसानी से बन जाता है लेकिन रोटियां बनाना मुश्किल होता है। और अगर रोटी बन भी गई तो वो फूलती नहीं है। जिसकी वजह से काफी सारे लोग इसे बेकार समझते हैं। लेकिन अगर आप इस ट्रिक की मदद लेंगी तो इंडक्शन चूल्हे पर भी आपकी रोटी बिल्कुल फूली-फूली और नरम बनकर तैयार होगी। बस जान ले आसान सी ट्रिक।

इंडक्शन पर फूली और नर्म रोटी बनाने की ट्रिक

- इंडक्शन पर रोटी फूली और नर्म बनानी है तो एक स्टील की जाली जरूर पास रखें। इस जाली की मदद से रोटियां बिल्कुल फूली और नर्म बनकर तैयार होंगी। स्टील की जाली मार्केट में आसानी से मिल जाती है और ज्यादातर घरों में कुछ ना कुछ भूनने के लिए गैस पर रखी जाती है।

इंडक्शन पर रोटी फूली और नर्म बनाने के लिए ट्रिक

- सबसे पहले इंडक्शन पैन को रखकर आप रोटी को पकाएं।
- फिर इसके ऊपर स्टील की जाली को रखें और उस पर रोटी रखें।
- जाली के ऊपर रोटी रखने से रोटी को सही आंच मिलती है और वो अच्छे से फूल जाती है। साथ ही नर्म बनती है।
- अगर आप सीधे इंडक्शन के ऊपर रोटी रखते हैं तो वो जल जाती है और अगर केवल पैन में रोटी बनाते हैं तो वो पूरी तरह से पकती नहीं है और नर्म नहीं होती।
- इस जाली का एक फायदा और है। आपको बार-बार इंडक्शन के टेंपरेचर को नहीं बदलना पड़ेगा। क्योंकि जब भी रोटी को सीधे इंडक्शन पर रखना होता है तो तापमान कम करना पड़ता है। जिससे रोटी कड़क हो जाती है। लेकिन जाली की मदद से बस एक ही टेंपरेचर पर इंडक्शन वाला पैन या तवा रखने के फौरन बाद जाली रखें और रोटी को झट से फूली-फूली और नर्म सेंक लें।

कम उम्र में ही किसी से प्यार कर बैठा है बच्चा, डांटने के बजाए ऐसे बनेगी बात

जालंधर ब्रीज (फीचर) . किशोरावस्था यानी 13 से 18 के बीच की वो नाजुक उम्र जब एक बच्चा कई बदलावों से गुजर रहा होता है। जिन बच्चों को कल तक लड़के -लकड़ियां सब बराबर लगते थे आज वही एक दूसरे को देखकर ना जाने क्यों अजीब सा महसूस करने लगते हैं। किसी दूसरे को देखकर मन में आर्कषण का भाव आना, उसके साथ रहना अच्छा लगना ये सब इसी बाली उम्र में पहली बार बच्चों के साथ घट रहा होता है। एक दूसरे के प्यार में पड़कर जीने-मरने की कसमें खाना भी कोई नई बात नहीं। अगर आपका बच्चा भी इसी दौर से गुजर रहा है तो आपको एक जिम्मेदार पेरेंट होने के नाते इस सिचुएशन को समझदारी से हैंडल करने की जरूरत है।

डांटने के बजाए समझें बच्चें की फीलिंग्स : जाहिर है कम उम्र में ही बच्चे के प्यार में पड़ने की बात हर पैरेंट्स को चिंता में डाल सकती है। हालांकि ये उम्र ही ऐसी होती हैं जहां बच्चे के हार्मोन्स उसकी सोच पर हावी होते हैं। ऐसे में आपकी डांट-फटकार से बात बनने के बजाए और ज्यादा बिगड़ सकती है। हो सकता है बच्चा आपको ही एक विलन की तरह देखने लग जाए। ऐसे में शांति से बैठकर उससे इस बारे में बात करें। उसकी बातें सुनें और उसे समझने की कोशिश करें। इससे बच्चा आपकी बात भी सुनने और समझने पर गौर देगा।

बच्चे को समझाएं सही गलत का फर्क : टीनेज का दौर ही ऐसा होता है जब बच्चा सही गलत से परे अपनी भावनाओं को ज्यादा महत्व देता है। वो जो कुछ फिल्मों में देखता है और महसूस करता है, वो सब करना चाहता है। ऐसे में आपकी जिम्मेदारी बनती है कि बच्चे को सही गलत का फर्क बताएं। उसे बताएं की वो जो कर रहा है वो इस उम्र में नॉर्मल है, लेकिन इन सब के अलावा और भी चीजें हैं जिनपर ध्यान देना ज्यादा जरूरी है। जैसे की पढ़ाई, करियर और बाकी सब। उन्हें समझाएं की सोशल मीडिया और फिल्मों में दिखाई गई जिंदगी और असल जिंदगी में बेहद फर्क है।

बनें बच्चे के रिलेशनशिप कोच : टीनेज में हुआ पहला प्यार किसी के लिए भी बेहद खास होता है। ऐसा पहली बार हो रहा होता है जब बच्चा अपने परिवार और अपने मां - बाप के अलावा खुद किसी रिश्ते में आता है। ऐसे में उसके सामने विलेन बनने की जगह उसके दोस्त बनें। वो प्यार के बारे में क्या सोचता है और असल में प्यार क्या होता है; इस बारे में खुलकर बात करें। यहां आप उसकी काफी सारी गलत फहमियों में दूर कर सकते हैं। ये आगे आने वाले उसके हर एक रिश्ते के लिए फायदेमंद होगा। ध्यान रहे बच्चे के रिश्ते को पूरी तरह नकार देना या उसे एकदम खुली छूट दे देना दोनों ही खतरनाक साबित हो सकते हैं।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

फैटी लिवर को हल्के में लेने पर भुगतनी पड़ेगी गंभीर समस्या, दिक्कत का कैसे पता लगाएं

HEALTH

लिवर शरीर का सबसे जरूरी अंग है। डॉक्टर शिव कुमार सरीन भी कहते हैं कि लिवर हमारे शरीर का लीवर है। यहां बता रहे हैं कैसे पता करें कि फैटी लिवर की है समस्या...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

फैटी लिवर की समस्या एक कॉमन समस्या है लेकिन इसे इग्नोर कर देना या फिर हल्के में लेना सही नहीं है। क्योंकि अगर एक बार किसी व्यक्ति का लिवर फैटी हो जाए और उसे ठीक करने के लिए कुछ न किया जाए तो धीरे-धीरे लिवर से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। कुछ लोगों को फैटी लिवर की समस्या होती है लेकिन इसके बावजूद भी वह जंक फूड और ऑयली खाना खाते हैं। जो पूरी तरह से गलत है। कुछ लोगों को फैटी लिवर होता है लेकिन उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं होती। ऐसे में यहां जानिए कि कैसे पता कर सकते हैं कि आपको फैटी लिवर की समस्या हो गई है।

पेट में हमेशा रहता है दर्द

- अगर किसी व्यक्ति का लिवर फैटी हो जाता है तो उसे पेट में दर्द का एहसास होता रहता है। ये दर्द ज्यादातर पेट के ऊपरी सीधे हिस्से में महसूस होता है। कुछ लोगों को सूजन भी हो सकती है।

स्किन और आंखों का रंग होता है पीलिया

- जब किसी का लिवर फैटी होता है तो स्किन या आंखों में पीलापन दिख सकता है जो पीलिया का संकेत है। ऐसा इसलिए क्योंकि लीवर बिलीरुबिन को फिल्टर नहीं कर पाता है, जो पुरानी रेड ब्लड सेल्स से निकलने वाला एक खराब प्रोडक्ट है।

बहुत ज्यादा थकान और कमजोरी

- फैटी लिवर का पता लगने का सबसे कॉमन लक्षणों में से एक थकान भी है। ये ऐसी थकान होती है जिसकी वजह से आपके लिए रोजाना की एक्टिविटीज को कर पाना भी मुश्किल होता है। वहीं शारीरिक शक्ति या सहनशक्ति में कमी होना भी फैटी लिवर का संकेत है।

शरीर में खुजली

- जब किसी व्यक्ति का लिवर फैटी है तो उसे स्किन पर खुजली की दिक्कत हो सकती है। खासकर ये खुजली चेहरे पर होती है। कुछ लोगों के फैटी लिवर होने पर वजन भी कम होने लगता है।

***नोट :** इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।*

भारत की स्वास्थ्य यात्रा में एक मील का पत्थर

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY) की छठी वर्षगांठ गर्व और चिंतन का क्षण है। सितंबर 2018 में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई AB PM-JAY आज दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा योजना में से एक बन चुकी है। यह योजना इस सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि सभी नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर वर्गों, के लिए समान स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जाए।

पिछले छह वर्षों में, इस महत्वाकांक्षी योजना ने लाखों जिंदगियों को छुआ है, उन्हें आशा, उपचार और कई मामलों में जीवनरक्षक उपचार प्रदान किया है। AB PM-JAY की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि एक राष्ट्र जब अपने लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ एकजुट होता है, तो क्या कुछ हासिल कर सकता है।

स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में क्रांति

आयुष्मान भारत का मुख्य मिशन यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी भारतीय अपनी वित्तीय स्थिति के कारण स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रहे। माध्यमिक और तृतीयक अस्पताल देखभाल को कवर करने के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये के वार्षिक कवरेज के साथ, एबी-पीएमजेएवाई ने आर्थिक रूप से वंचित परिवारों को देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में मुफ्त में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने का साधन प्रदान किया है।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के आय वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के लिए AB PM-JAY के लाभों का विस्तार करने का निर्णय लिया गया है, जो हमारे देश में बदलते जनसांख्यिकीय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले, हमारे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, जैसे कि आशा बहनों , आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायकों के परिवारों को योजना के दायरे में लाया गया था। 55 करोड़ से अधिक लोग योजना के तहत मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आज पात्र हैं। अभी तक 7.5 करोड़ से अधिक सफल उपचार प्रदान किए गए हैं जिस पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का खर्च हुआ है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। जो परिवार स्वास्थ्य खर्च के कारण गरीबी में धकेल दिए जाते थे, उनके लिए अब यह योजना वित्तीय ढाल साबित हो रही है। योजना के तहत लाभार्थी किसानों से लेकर दैनिक मजदूरों तक के कथन इस बात का प्रमाण है कि यह योजना उन्हें आर्थिक परेशानी से बचा रही है। इस मायने में, आयुष्मान भारत ने वास्तव में अपने वादे को पूरा किया है।

इस योजना में उपचार का दायरा बहुत व्यापक है, जो 1900 से अधिक चिकित्सा प्रक्रियाओं को कवर करता है, जिनमें हृदय बाईपास या ज्वाइंट रिप्लेसमेंट जैसी जटिल सर्जरी से लेकर कैंसर और गुर्दे की बीमारियों के उपचार तक शामिल हैं। ये ऐसे उपचार हैं जो पहले तमाम लोगों के लिए पहुंच से बाहर थे, लेकिन अब ABPM-JAY ने उन्हें सुलभ, किफायती और सभी के लिए उपलब्ध बना दिया है।

विस्तृत नेटवर्क और मजबूत सिस्टम

AB PM-JAY की एक विशेषता इसका एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता नेटवर्क तैयार करने की क्षमता रही है। आज, भारत भर के 29,000 से अधिक अस्पताल, जिनमें 13,000 से अधिक निजी अस्पताल शामिल हैं, योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। यह नेटवर्क ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि देश के सबसे दूरस्थ हिस्सों में रहने वाले लोग भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त कर सकें। योजना की अद्वितीय पोर्टेबिलिटी सुविधा ने यह सुनिश्चित किया है कि लाभार्थी अपने राज्य के अलावा देश भर के अस्पतालों में इलाज करवा सकते हैं।

इस विशाल नेटवर्क को एक मजबूत आईटी बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित किया गया है जो दावों के निपटान में पारदर्शिता, दक्षता और गति सुनिश्चित

आयुष्मान भारत

जालंधर ब्रीज

जगत प्रकाश नड्डा
(केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री)

करता है। आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन और पेपरलेस क्लेम प्रोसेसिंग के कार्यान्वयन ने धोखाधड़ी और अक्षमता को काफी हद तक कम किया है, जो अक्सर ऐसी बड़ी सार्वजनिक कल्याण योजनाओं में एक बड़ी चुनौती होती है।

आयुष्मान भारत की सफलता ने स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य हिस्सों में भी सुधार को उत्प्रेरित किया है। योजना के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पर जोर ने सार्वजनिक और निजी दोनों अस्पतालों को अपने बुनियादी ढांचे और सेवाओं को उन्नत करने के लिए प्रेरित किया है। इसके अतिरिक्त, इसने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण विकसित किया है, जो प्रदाताओं को रोगी कल्याण को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

समग्र स्वास्थ्य सेवा

आयुष्मान भारत सिर्फ माध्यमिक और तृतीयक स्तरीय अस्पताल चिकित्सा के बारे में नहीं है। AB-PMJAY के साथ-साथ, सरकार आयुष्मान आरोग्य मंदिर (AAM) के निर्माण के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर भी काम कर रही है। ये स्वास्थ्य केंद्र सुरक्षात्मक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य जनसंख्या में कुल रोगों के भार को कम करना है। अब तक, पूरे भारत में 1.73 लाख से अधिक AAM स्थापित किए जा चुके हैं, जो सामान्य बीमारियों और मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर जैसी चिरकालिक परिस्थितियों के लिए मुफ्त स्क्रीनिंग, निदान और दवाएं प्रदान कर रहे हैं।

ये केंद्र व्यापक और समग्र स्वास्थ्य देखभाल मॉडल की ओर हमारे प्रयास के केंद्र में हैं। कल्याण (वेलनेस) और प्रारंभिक निदान को बढ़ावा देकर, हम अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता को कम करने और स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को लंबे समय में और अधिक स्थाई बनाने की उम्मीद करते हैं।

चुनौतियों को पार करके आगे बढ़ना

आयुष्मान भारत की उपलब्धियों का हर्ष मनाते हुए, हमें आगे आने वाली चुनौतियों को भी स्वीकार करना चाहिए। योजना का पैमाना विशाल है, और इसके साथ इसे लगातार अनुकूलित, परिष्कृत और सुधारने की जिम्मेदारी आती है। हम योजना की पहुंच को बढ़ाने, अस्पतालों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने और हर लाभार्थी को प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

आगे बढ़ते हुए, हम आयुष्मान भारत को मजबूत करना जारी रखेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह भारत की समग्र, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की यात्रा में सबसे आगे बना रहे। हम योजना के तहत कवर किए गए उपचारों की सूची का विस्तार करने, सूचीबद्ध अस्पतालों की संख्या बढ़ाने और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के सफल निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्वस्थ भारत का सपना

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि किसी भी राष्ट्र का स्वास्थ्य उसकी समृद्धि की नींव है। स्वस्थ जनता देश के विकास, उत्पादकता और नवाचार में योगदान करने में सक्षम होती है। आयुष्मान भारत इस स्वस्थ, मजबूत और विकसित भारत की संकल्पना का केंद्र है।

अब तक की योजना की सफलता सरकार, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और लोगों के बीच की गई कड़ी मेहनत, समर्पण और सहयोग को दर्शाती है। हम प्रत्येक नागरिक के कल्याण और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की छठी वर्षगांठ पर, आइए हम सभी नागरिकों के लिए एक समावेशी, सुलभ और सहानुभूतिपूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भारत के निर्माण की यात्रा को जारी रखेंगे।

जय हिन्द !

पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में धान की पराली जलाने की प्रथा को खत्म करनेकी प्रतिबद्धता सुनिश्चित करें : प्रधान सचिव

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने आज प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सर्दी के आगामी मौसम को देखते हुए विशेष रूप से दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मुद्दे के समाधान में हितधारकों की तत्परता का आकलन किया गया।

इस बैठक में धान की पराली जलाने, वाहन उत्सर्जन, सड़क और निर्माण धूल, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और डीजल जनरेटर (डीजी) सेट सहित विभिन्न स्रोतों से होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए जारी प्रयासों के मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ. मिश्रा ने सर्दी के महीनों के दौरान बिगड़ती वायु गुणवत्ता को कम करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के सख्त और समय पर कार्यान्वयन के गंभीर महत्व पर जोर दिया।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा ने धान के भूसे उत्पादन के बारे में विवरण प्रस्तुत किया। पंजाब में 19.52 मिलियन टन और हरियाणा में 8.10 मिलियन टन भूसे के उत्पादन का अनुमान लगाया गया। दोनों राज्यों ने इस साल पराली जलाने पर रोक लगाने की प्रतिबद्धता प्रकट की है। पंजाब ने अपने 11.5 मिलियन टन धान के भूसे को इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन के माध्यम से और बाकी को एक्स-सीटू तरीकों से प्रबंधित करने की योजना बनाई है। इसी तरह हरियाणा 3.3 मिलियन टन का इन-सीटू प्रबंधन करेगा और शेष के लिए एक्स-सीटू तरीकों का उपयोग करेगा। पंजाब में 24,736 कस्टम हायरिंग सेंटरों (सीएचसी) द्वारा समर्थित 1.50 लाख से अधिक फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनें उपलब्ध होंगी, जबकि हरियाणा में 6,794 सीएचसी द्वारा समर्थित 90,945 सीआरएम मशीनें हैं।

इसके अलावा, एनसीआर क्षेत्र में 11 थर्मल पावर संयंत्रों में अन्य ईंधन के साथ 2 मिलियन टन धान के भूसे को जलाया जाएगा। इस बैठक में को-फायरिंग लक्ष्यों को पूरा करने के लिए थर्मल संयंत्रों की नियमित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया गया,

जालंधर ब्रीज

डॉ. पी.के. मिश्रा
(प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव)

साथ ही गैर-अनुपालन के लिए दंड लगाने पर भी बल दिया गया।

औद्योगिक प्रदूषण के संबंध में, सीएक्यूएम ने बताया कि एनसीआर क्षेत्र के 240 औद्योगिक क्षेत्रों में से 220 अब गैस बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हैं, शेष क्षेत्रों को जल्द ही गैस से जोड़ा जाएगा। निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) गतिविधियों से होने वाले धूल प्रदूषण की निगरानी वेब पोर्टल के माध्यम से की जा रही है, जिसमें 500 वर्ग मीटर से अधिक की परियोजनाओं के लिए पंजीकरण अनिवार्य है।

डॉ. मिश्रा ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को अपनी कार्य योजनाओं की प्रतिबद्धता के अनुरूप पराली जलाने की प्रथा को खत्म करने के उद्देश्य से कार्य योजनाओं की सख्ती से निगरानी करने और उन्हें लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने धान के भूसे के आर्थिक उपयोग को बढ़ाने के लिए सीआरएम मशीनों के पूर्ण उपयोग, एक्स-सिटू प्रबंधन के लिए आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और ब्रिकेटिंग एवं पेलेटिंग कार्यों में छोटे उद्योगों का समर्थन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उचित दंड और रिकॉर्ड प्रविष्टियों के साथ उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त प्रवर्तन कार्रवाइयों पर भी प्रकाश डाला गया।

प्रधान सचिव ने एनसीआर क्षेत्र के राज्यों के मुख्य सचिवों से क्षेत्र में अपनी ई-बस सेवाएं बढ़ाने का भी अनुरोध किया। पीएम ई-बस सेवा योजना का लक्ष्य हमारे देश में ई-बसों को 10,000 ई-बसों तक बढ़ाना है। राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों को अपने ई-बसों के बेड़े को बढ़ाने के लिए योजना का विवेकपूर्ण उपयोग करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

उन्होंने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए इसके भावनात्मक मूल्य का उपयोग शहर को हरा-भरा बनाने में किया जाना चाहिए।

पटाखों से प्रदूषण के संदर्भ में, राज्य सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने के लिए कहा गया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से बायोमास के संग्रह में तेजी लाने और संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्रों के निर्माण में तेजी लाने का आग्रह किया गया।

इस बैठक में कैबिनेट सचिव डॉ. टी. वी. सोमनाथन, दिल्ली पुलिस आयुक्त और पर्यावरण, कृषि, बिजली, पेट्रोलियम, सड़क परिवहन, आवासन और शहरी कार्य और पशुपालन मंत्रालयों के प्रमुख अधिकारियों के साथ-साथ केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी), और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के मुख्य सचिव और उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारत एशिया का तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बना एशिया पावर इंडेक्स में जापान को पीछे छोड़ा

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . एक बड़े बदलाव के तहत, जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत एशिया पावर इंडेक्स में तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, जो इसकी बढ़ती भू-राजनीतिक हैसियत को दर्शाता है। यह उपलब्धि भारत के सक्रिय विकास, युवा आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के दम पर हासिल हुई है, जिसने इस क्षेत्र में एक अग्रणी शक्ति के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत किया है।

2024 एशिया पावर इंडेक्स के सबसे अहम निष्कर्षों में से एक क्षेत्रीय ताकतों से संबंधित रैंकिंग (रीजनल पावर रैंकिंग्स) में भारत का लगातार सुधार जारी है। धीरे-धीरे हो रहे इस सुधार के साथ, भारत अपनी पूरी क्षमता हासिल करने और क्षेत्र में अपना प्रभाव डालने की कोशिश कर रहा है।

भारत के उदय के पीछे के मुख्य कारक :

- आर्थिक विकास: भारत ने महामारी के बाद बड़े स्तर पर आर्थिक सुधार प्रदर्शित किए हैं, जिससे इसकी आर्थिक क्षमता में 4.2 अंकों की वृद्धि हुई है। भारत की बड़ी आबादी और मजबूत जीडीपी वृद्धि ने पीपीपी के संदर्भ में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत किया है।
- भविष्य की संभावना: भारत के भविष्य के संसाधनों के स्कोर में 8.2 अंकों की वृद्धि हुई है, जो संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश का संकेत है। अपने क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों विशेष रूप से चीन और जापान के विपरीत, भारत को अपनी युवा आबादी से लाभ मिलता है जो कि आने वाले दशकों में आर्थिक विकास और श्रम बल विस्तार को गति देती रहेगी।
- कूटनीतिक प्रभाव: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मान्यता हासिल की है। भारत की गुटनिरपेक्ष रणनीतिक स्थिति से नई दिल्ली के लिए जटिल अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्रों में प्रभावी रूप से नौवहन करना संभव हुआ है। 2023 में कूटनीतिक संवादों के मामले में भारत छठे स्थान पर रहा, जिससे बहुपक्षीय मंचों में इसकी सक्रिय भागीदारी का पता चलता है।
- इसके अलावा, भारत की बड़ी आबादी और आर्थिक क्षमताएं इसके लिए पर्याप्त संभावनाएं पैदा करती हैं। सांस्कृतिक प्रभाव में भारत का स्कोर भी तुलनात्मक रूप से मजबूत रहा है, जिसे इसके वैश्विक प्रवासी और सांस्कृतिक निर्यात से समर्थन मिल रहा है।
- इसके अलावा, बहुपक्षीय कूटनीति और सुरक्षा सहयोग में भारत की भूमिका पर भी जोर दिया गया है। वार्ताओं में भारत की भागीदारी, साथ ही क्वाड में इसके नेतृत्व ने इसे क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर दिया है, हालांकि, ऐसा औपचारिक सैन्य गठबंधनों के बाहर रहकर ही हुआ है। भारत की आर्थिक पहुंच, भले ही सीमित है, लेकिन इसमें विशेष रूप से रक्षा बिक्री में अच्छा सुधार देखा गया है। फिलीपींस के साथ ब्रह्मोस मिसाइल सौदा इसका ही एक उदारहण है। भले ही ये घटनाक्रम छोटे पैमाने पर हैं, लेकिन इससे पता चलता है कि भारत ने अपने निकटतम पड़ोसी से परे अपनी भू-राजनीतिक ताकत को बढ़ाना शुरू कर दिया है।

एशिया में भारत की भूमिका

- 2024 एशिया पावर इंडेक्स भारत को एशिया में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में दर्शाता है। देश का पर्याप्त संसाधन आधार इसे भविष्य में विकास के लिए अपार संभावनाएं प्रदान करता है। भारत के लिए नजरिया आशावादी बना हुआ है। निरंतर आर्थिक विकास और बढ़ते कार्यबल के साथ, भारत आने वाले वर्षों में अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए अच्छी स्थिति में है। विशेष रूप से, भारत का बढ़ता राजनयिक प्रभाव और इसकी रणनीतिक स्वायत्तता इसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाती है।

एशिया पावर इंडेक्स

- लोवी इंस्टीट्यूट द्वारा 2018 में लॉन्च किया गया एशिया पावर इंडेक्स, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पावर की स्थिति का एक वार्षिक माप है। यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 27 देशों का मूल्यांकन करता है, बाहरी वातावरण को आकार देने और उस पर प्रतिक्रिया करने की उनकी क्षमता की जांच करता है। 2024 का संस्करण इस क्षेत्र में पावर डिस्ट्रीब्यूशन का अब तक का सबसे व्यापक मूल्यांकन प्रस्तुत करता है। तिमोर-लेस्ते को इसमें पहली बार शामिल किया गया है, जिससे दक्षिण-पूर्व एशिया में इसके बढ़ते महत्व का पता चलता है। यह सूचकांक राज्यों की भौतिक क्षमताओं और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उनके प्रभाव दोनों पर ध्यान केंद्रित करता है।
- शक्ति मापने के मानदंड और पैरामीटर
- एशिया पावर इंडेक्स में शक्ति को संसाधन-आधारित और प्रभाव-आधारित निर्धारकों में बांटा किया गया है:

1. संसाधन-आधारित निर्धारक:

- आर्थिक क्षमता: किसी देश की मुख्य आर्थिक ताकत, जिसे क्रय शक्ति समता (पीपीपी) पर जीडीपी, तकनीकी परिष्करण और वैश्विक आर्थिक संपर्क जैसे संकेतकों के माध्यम से मापा जाता है।
- सैन्य क्षमता: रक्षा व्यय, सशस्त्र बलों, हथियार प्रणालियों और लंबी दूरी तक प्रक्षेपण जैसी विशिष्ट क्षमताओं के आधार पर पारंपरिक सैन्य शक्ति का मूल्यांकन करता है।
- लचीलापन: संस्थागत मजबूती, भू-राजनीतिक सुरक्षा और संसाधन सुरक्षा सहित राज्य स्थिरता के लिए खतरों को रोकने की आंतरिक क्षमता।
- भविष्य के संसाधन: 2035 के लिए अनुमानित आर्थिक, सैन्य और जनसांख्यिकीय कारकों सहित भविष्य में संसाधनों के वितरण का पूर्वानुमान लगाता है।

2. प्रभाव-आधारित निर्धारक:

- आर्थिक संबंध: व्यापार, निवेश और आर्थिक कूटनीति के माध्यम से लाभ उठाने की क्षमता।
- रक्षा नेटवर्क: गठबंधनों और साझेदारियों की ताकत, सैन्य सहयोग और हथियारों के हस्तांतरण के माध्यम से मापी जाती है।
- कूटनीतिक प्रभाव: किसी देश की कूटनीतिक पहुंच, बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी और विदेश नीति महत्वाकांक्षा की सीमा।
- सांस्कृतिक प्रभाव: सांस्कृतिक निर्यात, मीडिया और लोगों के बीच संबंधों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय जनमत को आकार देने की क्षमता।
- किसी देश का समग्र शक्ति स्कोर इन आठ उपायों के भारित औसत से प्राप्त होता है, जिसमें 131 व्यक्तिगत संकेतक शामिल होते हैं। इसके परिणाम इस बात की सूक्ष्म समझ प्रदान करते हैं कि देश एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपने संसाधनों को कैसे अपने प्रभाव में बदलते हैं।

ऊर्जा स्रोतों में बदलाव को अपनाने का मार्ग, हरित गैस द्वारा रोशन होने का इंतजार

भारत सरकार संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) इकोसिस्टम के विकास के लिए बड़े कदम उठा रही है। इस क्षेत्र के लिए घोषित लक्ष्य है- प्रति वर्ष 15 एमएमटी सीबीजी का उत्पादन। यह पहल, मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन आधारित परिवहन प्रणाली के एक स्थायी विकल्प स्थापित करने के लिए शुरू की गई थी, लेकिन, संभावित लाभों की विस्तृत श्रृंखला अभी उभरनी शुरू हुई है। सीबीजी में भारत सरकार की नेट जीरो महत्वाकांक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता है। 15 एमएमटी सीबीजी, वर्ष 2030 तक सीजीडी क्षेत्र के सीएनजी (टी)/पीएनजी (डी) उपक्षेत्र में उपयोग की जाने वाली घरेलू प्राकृतिक गैस की सभी मांग को प्रभावी ढंग से प्रतिस्थापित कर सकता है। सीबीजी संयंत्रों में उत्पादित एफओएम के उपयोग से मिट्टी के कम हुए कार्बन स्तर को बहाल किया जा सकता है। किण्वित जैविक खाद (एफओएम) मुख्य रूप से मिट्टी में रासायनिक उर्वरक के नाइट्रोजन और फास्फोरस को बढ़ाते हुए कार्बन स्तर में वृद्धि करके रासायनिक उर्वरक के एक हिस्से को भी प्रतिस्थापित कर सकता है।

सरकार की एक पहल के रूप में शुरू हुआ यह कार्य, कई योजनाओं और शासनादेशों के साथ एक प्रमुख क्षेत्र बन गया है, जो पूरे परिदृश्य को प्रभावित कर रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बायोमास की खरीद तथा बायोमास एकत्रीकरण मशीनरी की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, सीबीजी संयंत्रों और सीजीडी नेटवर्क के बीच पाइपलाइन को जोड़ने के लिए वित्तीय सहायता और सीजीडी संस्थाओं के लिए अनिवार्य सीबीजी मिश्रण दायित्व की योजना की शुरुआत की है। उर्वरक विभाग ने एफओएम के लिए बाजार विकास सहायता की पेशकश की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, केंद्रीय वित्तीय सहायता के माध्यम से इस क्षेत्र का समर्थन करता है। इसी तरह राज्य सरकारें भी रियायती पट्टे दरों पर भूमि, कच्चे माल की खरीद पर सब्सिडी, एकल खिड़की मंजूरी, भूमि आवंटन में प्राथमिकता, जैसे विभिन्न प्रोत्साहनों के माध्यम से इस क्षेत्र का समर्थन कर रही हैं।

हालांकि, इकोसिस्टम का राजस्व मॉडल अभी तक स्थिरता हासिल नहीं कर पाया है। सभी संभावित राजस्व स्रोत अभी तक अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाये हैं। एफओएम, जो एक प्रमुख सह-उत्पाद है, से अभी तक राजस्व प्राप्त नहीं हो पा रहा है। कार्बन क्रेडिट व्यवस्था पूरी तरह से स्थापित नहीं है। इससे कार्बन क्रेडिट के उत्पादन और मुद्रीकरण के बारे में कुछ अनिश्चितता मौजूद है। सभी राजस्व स्रोतों का गैर-मुद्रीकरण भी उधार देने वाली एजेंसियों के लिए कुछ जोखिम पैदा करता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र के विकास को प्रभावित करता है। उत्पादित एफओएम के पूर्ण मुद्रीकरण की कमी के कारण संयंत्रों की व्यावहारिकता सुनिश्चित करने के लिए गैस पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। वर्तमान में, सीबीजी संयंत्रों से उत्पादित गैस को एकमात्र राजस्व अर्जित करने वाले स्रोत होने का बोझ उठाना पड़ता है। देश के कुछ क्षेत्रों में मांग से संबंधित कुछ मुद्दों के कारण, गैस का पूरा उठाव प्रभावित होता है। इससे

जालंधर ब्रीज

आनंद कुमार झा
(डायरेक्टर, गैस प्रोजेक्ट्स)

सीबीजी संयंत्र का व्यावहारिक होना और पूरे क्षेत्र का विस्तार करना मुश्किल हो जाता है। गैस, एफओएम के साथ-साथ क्षेत्र के लिए उपलब्ध हरित विशेषताओं या कार्बन क्रेडिट से राजस्व उत्पन्न करना जरूरी है।

सीबीजी का उठाव सुनिश्चित करने पर सरकार के विशेष ध्यान के कारण कुल गैस की बिक्री, वित्त वर्ष 2022-23 के लगभग 12,000 टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 19,000 टन हो गई है। वित्त वर्ष 2024-25 के दो महीनों के उठाव के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि इस साल सीबीजी का उठाव दोगुने से अधिक हो जाएगा। हालांकि क्षेत्र में सीएनजी/पीएनजी की असमान मांग के कारण गैस के उठाव में चुनौतियां बनी हुई हैं। सरकार ने सीबीजी संयंत्रों और सीजीडी नेटवर्क के बीच पाइपलाइन को जोड़ने की प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए एक योजना की शुरुआत की है, ताकि संयंत्र द्वारा उत्पादित गैस का पूर्ण उठाव सुनिश्चित करने में मदद मिल सके। सीबीजी ग्रिड का विकास, क्षेत्र में सीएनजी/पीएनजी की कम मांग की समस्या पर ध्यान देगा। सीजीडी नेटवर्क के माध्यम से सीबीजी तक खुली पहुंच की अनुमति देना भी आवश्यक होगा, ताकि देश भर में वास्तविक मांग केंद्रों तक सीबीजी की आपूर्ति की जा सके। इसके अलावा, जर्मनी जैसे कुछ यूरोपीय देशों की तरह, प्रमुख पाइपलाइनों में सीबीजी की आपूर्ति से राष्ट्रीय गैस खपत वृद्धि में भी मदद मिलेगी।

सरकार ने उर्वरक विपणन कंपनियों द्वारा एफओएम की बिक्री पर एमडीए की घोषणा की है। यह, बदले में, सीबीजी उत्पादकों को दिया जाता है। हालांकि, उत्पादित एफओएम की दो अनूठी विशेषताओं के कारण यह योजना आगे नहीं बढ़ पाई है। सबसे पहले, हालांकि, एफओएम मिट्टी के लिए कार्बन का एक बड़ा स्रोत है, इसकी तुलनात्मक रूप से कम पोषक तत्व सामग्री, इसे किसानों को खरीद और बिक्री के सन्दर्भ में उर्वरक कंपनियों के लिए कम आकर्षक बनाती है। दूसरी विशेषता है, उत्पाद की नमी की मात्रा, जो भंडारण और परिवहन को थोड़ा मुश्किल बना देती है। इसके अलावा, किसानों के बीच अपने खेतों में कार्बन के इस समृद्ध स्रोत का उपयोग करने में उत्साह की भी कमी दिखाई पड़ती है।

सीबीजी को बायो-एलएनजी में द्रवित करने तथा लंबी दूरी के ट्रक परिवहन के लिए एलएनजी के विकल्प के रूप में इसका उपयोग करने से, परिवहन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। ऐसे क्षेत्रों में स्थित बड़े संयंत्रों के लिए, जहां उत्पादित सीबीजी की पूरी मात्रा का उपभोग करने की सीमा तक सीएनजी/पीएनजी इकोसिस्टम विकसित नहीं हो पाया है, सीबीजी को बायो-एलएनजी में परिवर्तित करने तथा एलएनजी ट्रक परिवहन के लिए मांग केंद्रों तक पहुंचाने से सीबीजी की प्रभावी खपत में तथा परिवहन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। सीबीजी को तरलीकृत करने की लागत को सीजीडी संस्थाओं को आपूर्ति की जाने वाली घरेलू गैस के पूल का हिस्सा बनाकर उपभोक्ताओं पर वितरित किया जा सकता है।

सरकार प्रणाली से जुड़ी अक्षमताओं को दूर करने का प्रयास कर रही है। क्षेत्र के हरित वित्तपोषण में बहुपक्षीय विकास बैंकों का समर्थन, क्षेत्र के विकास में एक लंबा रास्ता तय करेगा। हरित ऋणों का निर्यात, न केवल क्षेत्र को स्थिरता प्रदान करेगा, बल्कि देश के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने में भी मदद करेगा। ऊर्जा स्रोतों में बदलाव को अपनाने का मार्ग, हरित गैस द्वारा रोशन होने का इंतजार कर रहा है।

लालजीत सिंह भुल्लर ने नए जेल मंत्री के रूप में संभाला कार्यभार

कहा- जेलों में मोबाइल फोन के अवैध उपयोग और आपराधिक तत्वों की नापाक गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने गुरुवार को राज्य के नए जेल मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। हाल ही में हुए कैबिनेट फेरबदल के दौरान जेल विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान द्वारा कैबिनेट मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर को सौंपी गई है।

कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य राज्य की जेलों को सही मायनों में सुधार गृह बनाना रहेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य की जेलों में बंद कैदियों को सुधार कर उन्हें अच्छे नागरिक बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सजायाफ्ता कैदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें स्वरोजगार शुरू करने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि राज्य की जेलों में मोबाइल फोन के अवैध उपयोग और आपराधिक तत्वों की नापाक गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब की जेलों को नवीनतम सुरक्षा उपकरणों से लैस करना भी उनकी प्राथमिकता रहेगी।

जेल मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि पंजाब सरकार कैदियों के सुधार और सजा पूरी करने के बाद उन्हें एक बेहतर नागरिक के रूप में समाज में पुनः शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर अन्य के अलावा अलोक शेखर, अतिरिक्त मुख्य सचिव जेल, अरुण पाल सिंह, एडीजीपी जेल एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

बरिंदर कुमार गोयल ने खनन और भूविज्ञान, जल संसाधन, भूमि और जल संरक्षण मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला

यहां पंजाब सिविल सचिवालय-1 में खनन और भूविज्ञान, जल संसाधन, भूमि और जल संरक्षण मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने लोक निर्माण और बिजली मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. और राजस्व, पुनर्वास, आपदा प्रबंधन, जल आपूर्ति और स्वच्छता, आवास निर्माण और शहरी विकास मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडिया की उपस्थिति में अपने पद का कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर गोयल ने उन पर विश्वास जताने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का धन्यवाद किया और भरोसा दिलाया कि वे राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब के बहुमूल्य जल और खनिज संसाधनों के संरक्षण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इस अवसर पर मालेरकोटला के विधायक मोहम्मद जमील उर रहमान और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

शहर में नो-टॉलरेंस और वन-वे सड़कों पर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई

पुलिस ने कुल 13 एफआईआर दर्ज की, 499 को नोटिस व 493 के चलान काटे

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने शहर भर में नो-टॉलरेंस और वन-वे सड़कों पर विशेष अभियान के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत कुल 13 एफ.आई.आर दर्ज की गई हैं, 499 नोटिस जारी किए गए हैं और उल्लंघन करने वालों को 493 ट्रैफिक चालान जारी किए गए हैं। कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन और जनता की सुविधा के लिए स्वप्न शर्मा, आई.पी.एस, पुलिस कमिश्नर, जालंधर के निर्देशों के तहत शहर की 17 सड़कों को धारा 144 सी.आर.पी.सी के तहत नो-टॉलरेंस रोड और वन-वे रोड घोषित किया है। एडीसीपी ट्रैफिक अमनदीप कौर ने बताया कि इन नो-टॉलरेंस सड़कों को जोन-1, जोन-2, जोन-3 और जोन-4 के रूप में जोन-वार विभाजित किया गया है। यातायात प्रबंधन में सुधार, आवागमन के समय को कम करने और शहर में छोटे-मोटे अपराधों पर लगाम लगाने के लिए अड्डा होशियारपुर, जेल चौक, कमल पैलेस रोड और रेलवे स्टेशन रोड सहित कुछ सड़कों को सुबह 08:00 बजे से शाम 08:00 बजे तक वन-वे घोषित किया गया है।

जालंधर शहर के कई पुलिस थानों में विभिन्न प्रकार के यातायात नियमों का उल्लंघन करने के लिए धारा 188 आई.पी.सी के तहत कुल 13 एफ.आई.आर दर्ज की गई हैं। इन सड़कों पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले व्यक्तियों और व्यवसायों को धारा 144 सीआरपीसी के तहत कुल 499 नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें दुकान मालिक, रेहड़ी-पटरी वाले, होटल और शॉपिंग मॉल शामिल हैं, जिन्हें यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए सड़कें खाली करने की चेतावनी दी गई है।

कुल 493 ट्रैफिक चालान जारी किए गए हैं, जिनमें 214 नाबालिग ड्राइविंग के लिए और 279 स्कूल बसों/वैन/ऑटो के लिए, विभिन्न ट्रैफ़िक उल्लंघनों के लिए हैं। इस अभियान का प्राथमिक लक्ष्य ट्रैफ़िक व्यवस्था का सुचारू संचालन, सार्वजनिक सुविधा, शहर की सड़कों पर भीड़भाड़ कम करना, ट्रैफ़िक को सुचारू रूप से चलाना और निवासियों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। अमनदीप कौर ने कहा कि कमिश्नरेट पुलिस जालंधर शहर में व्यवस्थित ट्रैफ़िक, सार्वजनिक सुरक्षा और सुविधा बनाए रखने के लिए समर्पित है।

मैडल आफ एक्सीलैंस जीतने पर जालंधर की जान्हवी सम्मानित

ग्राफिक डिजाइन टेक्नोलॉजी में उपलब्धि की प्रशंसा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर जालंधर डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने गुरुवार को फ्रांस के ल्योन में आयोजित विश्व कौशल प्रतियोगिता-2024 में मैडल आफ एक्सीलैंस जीतकर जालंधर को गौरवान्वित करने वाली जान्हवी को सम्मानित किया। जालंधर शहर की जान्हवी को प्रशंसा पत्र प्रदान करते हुए डा. अग्रवाल ने उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि की प्रशंसा की और कहा कि उनकी यह सफलता अन्य युवाओं को जीवन में सफलता की ऊंचाईयां प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि जान्हवी ने अपने कौशल, रचनात्मकता, दृढ़ता और तकनीकी विशेषज्ञता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके ग्राफिक डिजाइन टेक्नोलॉजी की श्रेणी में पुरस्कार जीता है। डा. अग्रवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करना एक असाधारण उपलब्धि है और जान्हवी की जीत न केवल जालंधर बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उनकी उपलब्धि देश में ग्राफिक डिजाइन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगी। बता दें कि जान्हवी ने जालंधर प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे पंजाब कौशल विकास मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में सफल होने के बाद, उन्हें फ्रांस में वैश्विक स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिला, जहां उन्होंने मैडलियन ऑफ एक्सीलैंस पुरस्कार जीता। डिप्टी कमिश्नर ने जान्हवी को आगे बढ़ने और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

केजरीवाल के अयोग्य नेतृत्व ने पंजाब को विनाश के रास्ते पर धकेला : बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने अरविंद केजरीवाल की पंजाब में लापरवाह शासन व्यवस्था की कड़ी आलोचना की है और उन्हें अयोग्य मुख्यमंत्री भगवंत मान की नियुक्ति के कारण राज्य की बिगड़ती स्थिति के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। बाजवा ने कहा, 'अरविंद केजरीवाल ने एक ऐसे मुख्यमंत्री को नियुक्त करके पंजाब को पूरी तरह से विफल कर दिया है जो अपने कर्तव्यों को पूरा करने में असमर्थ है और राज्य को विनाश की ओर ले जा रहा है। पंजाब को संकट से उबारने के बजाय केजरीवाल ने इसके पतन की ओर आंखें मूंद ली हैं।' उन्होंने केजरीवाल के नेतृत्व की तुलना महाभारत के धृतराष्ट्र से करते हुए कहा, 'केजरीवाल को धृतराष्ट्र की तरह व्यवहार करना बंद करना चाहिए, जो अपने कार्यों के परिणामों के प्रति अंधे हैं। उन्हें अपनी आंखें खोलनी चाहिए और पहचानना चाहिए कि उनके निर्णयों ने पंजाब पर कितना विनाशकारी प्रभाव डाला है।' बाजवा ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को रेखांकित किया।

बाजवा ने कहा, 'व्यापार जगत को नुकसान हो रहा है और आम लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, यह सब इसलिए क्योंकि यह सरकार वास्तविक मुद्दों को संबोधित करने के बजाय भगवंत मान की अक्षमता को छिपाने में व्यस्त है।' बाजवा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के स्वास्थ्य के बारे में पारदर्शिता का आह्वान करते हुए कहा, 'मैं पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह से मुख्यमंत्री की स्थिति पर तुरंत नियमित स्वास्थ्य बुलेटिन जारी करने का आग्रह करता हूं। पंजाब के लोग पारदर्शिता के हकदार हैं और उन्हें अपने नेता के ठिकाने या स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में अनुमान लगाने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए।'

डॉ. गौरव संजय ने वर्ल्ड ऑर्थोपीडिक कांग्रेस में प्रस्तुत किया शोध पत्र

• **जालंधर ब्रीज.** देहरादून

संजय ऑर्थोपीडिक, स्पाइन एण्ड मैटरनिटी सेंटर, जाखन, राजपुर रोड, देहरादून के ऑर्थोपीडिक सर्जन डॉ. गौरव संजय ने 26 सितंबर को बेलग्रेड सर्बिया में 44वें सीकॉट ऑर्थोपीडिक वर्ल्ड कांग्रेस 2024 में, सह-लेखक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक डॉ. बी. के. एस. संजय के साथ अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। कांफ्रेंस में 95 देशों के 2000 से अधिक ऑर्थोपीडिक सर्जनों ने प्रतिभाग किया। डॉ. गौरव संजय ने जोर देकर कहा, जैसे-जैसे भारत आर्थिक रूप से बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सड़क यातायात दुर्घटनाऐं भी बढ़ रही हैं।

भारत में हर साल लगभग 5 लाख दुर्घटनाऐं होती हैं और हर साल देश न केवल डेढ़ लाख लोगों को खो रहा है, बल्कि इतने ही लोगों की स्थायी-अस्थायी विकलांगता का बोझ भी झेल रहा है, यदि वे जीवित रहते हैं। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के बाद विशेषकर दुपहिया वाहन चालकों या सवारों में टांग के कटे-फटे फ्रैक्चर आम हैं, जो सबसे अनुभवी ऑर्थोपीडिक सर्जनों के लिए भी एक चुनौतीपूर्ण समस्या है। इन क्षत-विक्षत अंगों को बचाने के लिए कई विशेषज्ञों द्वारा कई सर्जरी की आवश्यकता होती है, ऐसी टांगे अक्सर विच्छेदन के बाद कट सकती हैं, अगर उन्हें पूरी तरह से ठीक नहीं किया जाता है तो।

डॉ. गौरव संजय ने सड़क दुर्घअनाओं के बाद 11 रोगियों में जटिल पैर की चोटों पर एक नैदानिक शोध पत्र प्रस्तुत किया। सभी 11 रोगियों को प्रमुख तृतीयक देखभाल अस्पतालों में विच्छेदन की सलाह दी गई थी, जिन्हें अंततः सर्जन लेखकों द्वारा कई प्रक्रियाओं और इलिजारोव फिक्सेटर का उपयोग करके सभी टांगों को बचाया गया था।

वज्र कोर के पर्वतारोहियों का एक दल डोरोपी गांगरी और लाबार चोटियों पर चढ़ाई के लिए रवाना

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

वज्र कोर के दस निडर पर्वतारोहियों की एक टीम लद्दाख क्षेत्र में हिमालय की ज़ांस्कर रेंज में डोरोपी गांगरी (5380 मीटर) और लाबार पीक (4654 मीटर) की चुनौतीपूर्ण चोटियों पर चढ़ने के लिए निकली। आज उधमपुर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किए गए पर्वतीय अभियान का उद्देश्य प्रतिभागियों के लचीलेपन, अनुकूलनशीलता और शारीरिक और मानसिक सहनशक्ति का परीक्षण करना है। अपनी नौ दिवसीय यात्रा के दौरान, टीम ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों, अप्रत्याशित मौसम और ठंडे तापमान से होकर 120 किमी की दूरी तय करेगी। तेज़ हवाओं और ठंडे तापमान के साथ, सैनिकों के पास केवल अपने प्रशिक्षण और एक-दूसरे पर भरोसा करने के लिए होगा।

ऊंचाइयों पर विजय प्राप्त करने की उपलब्धि के अलावा, यह अभियान सामुदायिक पहुंच, दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले पूर्व सैनिकों के साथ बातचीत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक मंच के रूप में भी काम करेगा।

खेडां वतन पंजाब दीया-2024

हॉकी अंडर-14 प्रतियोगिता में दोआबा खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल की टीम जीती

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे 'खेडां वतन पंजाब दीया-2024' के तहत आज जिला स्तरीय टूर्नामेंट के तहत विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिला खेल अधिकारी गुरप्रीत सिंह ने जिला स्तरीय टूर्नामेंट के नतीजों की जानकारी देते हुए बताया कि कुश्ती फ्रीस्टाइल अंडर-17 एफएस लड़कों के 71 किलोग्राम भार वर्ग में रणजीत, हंस राज स्टेडियम जालंधर ने पहला स्थान हासिल किया। जबकि प्रताप तनवीर सिंह जगजीत एकेडमी दूसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार 48 किलोग्राम भार वर्ग में वंश, यूनाइटेड क्लब ने पहला स्थान तथा समराठ गिल, जगजीत एकेडमी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 92 किलोग्राम भार वर्ग में योगेश शर्मा, एसएम कुश्ती सैंटर कराडी ने पहला स्थान और विस्माद सिंह, जगजीत एकेडमी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 21 वर्ष से कम 61 किलोग्राम भार वर्ग में रमनदीप गोपालपुर पहले स्थान पर रहे। जबकि दिलरोज सिंह वरियाणा को दूसरा स्थान मिला। 65 किलोग्राम भार वर्ग में जगजीत एकेडमी के सागर ने प्रथम स्थान तथा हीरा लाल, करतार एकेडमी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 92 किलोग्राम भार वर्ग में, मून, यूनाइटेड क्लब ने उदयवीर करतार अकादमी को हराया जो पिछले साल के 'खेडां वतन पंजाब दीया' राज्य स्तरीय खेल 2023 के कुश्ती विजेता खिलाडी थे, मजबूत अंकों के अंतर से मुकाबले में मात दी थी। हॉकी अंडर-14 प्रतियोगिता में दोआबा खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लाडोवाली रोड, जालंधर की टीम ने पहला स्थान, सुरजीत हॉकी ट्रेनिंग सेंटर ने दूसरा स्थान और सरकारी हाई स्कूल नंगल फतेह खान की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया।

कपूरथला में पंचायत चुनाव को लेकर तैयारी पूर्ण

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

डिप्टी कमिश्नर कपूरथला अमित कुमार पांचाल ने कहा है कि जिला प्रशासन कपूरथला द्वारा पंचायत चुनावों से संबंधित तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, जिसके तहत कल 27 सितंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले की 546 ग्राम पंचायतों के सरपंचों और पंचों की 391734 वोटरों द्वारा चुनाव किया जाएगा। नामांकन के लिए 70 रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें ढिलवां ब्लॉक के लिए 13, कपूरथला के लिए 16, नडाला के लिए 15, फगवाड़ा के लिए 14, सुल्तानपुर लोधी के लिए 12 रिटर्न्स अधिकारी शामिल हैं। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि नामांकन 4 अक्टूबर तक होंगी, नामांकन का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि 5 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 7 अक्टूबर को नामांकन पत्र वापसी लिए जा सकेंगे। वोटिंग प्रक्रिया 15 अक्टूबर को होगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा चुनाव को शांतिपूर्ण एवं शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गये हैं। 546 पंचायतों के सरपंचों के साथ कुल 3180 पंचों का चयन होगा, जिसके लिए 661 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं.

546 पंचायतों में से 109 सीटें अनुसूचित जाति के लिए, 109 सीटें अनुसूचित जाति महिलाओं के लिए, जनरल महिला के लिए 164 सीटें आरक्षित और 164 सीटें जनरल सरपंचों के लिए आरक्षित की गई हैं। कुल पंचायतों में से 87 पंचायतें ढिलवां ब्लॉक की, 132 कपूरथला, 89 नडाला, 91 फगवाड़ा और 147 पंचायतें सुल्तानपुर लोधी ब्लॉक की हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कुल 391734 वोटरों द्वारा अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 200741 पुरुष और 190984 महिलाएं हैं, जबकि 9 वोटर थर्ड जेंडर के हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आरक्षण रोस्टर की सूचियां बीडीपीओ कार्यालयों में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित कर दी गई हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक चुनाव कर्मियों की भी तैनाती कर दी गयी है। उन्होंने जिले के मतदाताओं से बिना किसी डर, लालच या भय के अपने मत का प्रयोग करने की अपील की और कहा कि लोगों को मतदान में अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए ताकि लोकतंत्र की बुनियादी इकाई पंचायतों के सफल चुनाव से लोकतंत्र और मजबूत हो सके।

खेती मशीनों पर सब्सिडी मुहैया करवाने के लिए ड्रा के द्वारा लाभपात्रियों का चुनाव

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

फ़सलों के अवशेष के प्रबंधन एंव अन्य खेती मशीनों पर सब्सिडी मुहैया करवाने के लिए ज़िला स्तरीय कार्यकारी समिति द्वारा ड्रा के द्वारा लाभपात्रियों का चुनाव किया गया। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) मेजर डा. अमित महाजन की अध्यक्षता में ड्रा की प्रक्रिया पूरी की गई। उन्होंने बताया कि कराप रैज़ेड्यू मैनेजमेंट (सीआरएम) और सब-मिशन आन एग्रीकल्चर मैकेनाईज़ेशन (समैम) स्कीम के अंतर्गत खेती मशीनरी पर सब्सिडी उपलब्ध करवाने के लिए किसानों द्वारा प्राप्त आवेदनों के ड्रा निकाले गए है। उन्होंने बताया कि सीआरएम योजना अधीन व्यक्तिगत किसान को 50 प्रतिशत और किसान ग्रुपों, को-आपरेटिव सोसायटियों, एफपीओ आदि को 80 प्रतिशत दर के साथ सब्सिडी दी जाएगी। जबकि समैम स्कीम अधीन व्यक्तिगत किसान (जनरल श्रेणी) और किसान ग्रुपों को 40 प्रतिशत की दर के साथ और अनुसूचित वर्ग के साथ सम्बन्धित किसान, किसान, महिलाओं, छोटे और मध्यम किसानों को 50 प्रतिशत की दर के साथ सब्सिडी मुहैया करवाई जाएगी। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने किसानों को अधिक से अधिक मशीनरी की खरीद करने और फ़सलों के अवशेष के प्रबंधन के लिए इसका प्रयोग करने की अपील की। मुख्य कृषि अधिकारी डा. जसवंत राय ने जानकारी देते बताया कि कृषि विभाग द्वारा अपने पोर्टल agrimachinery.pb के द्वारा सीआरएम स्कीम के दूसरे पड़ाव के अंतर्गत 19 सितम्बर 2024 तक आवेदनों की माँग की गई थी।

यशस्वी जायसवाल की टॉप-5 में एंट्री

आईसीसी की ताजा क्रिकेट रैंकिंग में ऋषभ पंत ने की शानदारी वापसी

स्पोर्ट्स डेस्क. आईसीसी ने खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। जहां टेस्ट बल्लेबाजों की लिस्ट में यशस्वी जायसवाल को फायदा हुआ है। जायसवाल की टॉप-5 में एंट्री हो गई है। वह 751 अंकों के साथ पांचवें पायदान पर हैं। जबकि भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की इस रैंकिंग में रि-एंट्री हुई है। वह टॉप 10 में काबिज हो गए हैं। उन्होंने चेन्नई टेस्ट की पहली पारी में 39 और दूसरी पारी में सेंचुरी (109) ठोका। चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ यशस्वी ने पहले टेस्ट में फिफ्टी जड़ी थी। वह फिलहाल भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले टेस्ट बल्लेबाज हैं। जबकि पंत ने दिसंबर 2022 के पहला टेस्ट खेला था। वह 751 अंकों के साथ छठे स्थान पर हैं।

वहीं, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा को नुकसान झेलना पड़ा है। कोहली पांच साथा लुढ़ककर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 709 अंक हैं। उन्होंने पहले टेस्ट में कुल 13 रन बटोरे थे। रोहित शर्मा का बल्ला बांग्लादेश के खिलाफ खामोश

रहा, उन्होंने कुल 11 रन बनाए। रोहित पांच स्थान नीचे खिसक गए हैं। मौजूदा समय में वह 10वें नंबर पर हैं। उनके 716 अंक हैं। जो रूट (899) टॉप पर जबकि केन विलियमसन (852) दूसरे स्थान पर हैं। डेरिल मिचेल (760) और स्टीव स्मिथ (757) क्रमश: तीसरे और चौथे नंबर पर हैं।

कृषि मंत्री द्वारा 'उन्नत किसान' मोबाइल ऐप लॉन्च

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राज्य में धान की कटाई का मौसम शुरू होने से पहले आज पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने राज्य के किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनें आसानी से उपलब्ध करवाने के लिए 'उन्नत किसान' मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है।

लघु एवं सीमांत किसानों की सीआरएम मशीनों तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के संबंध में मुख्यमंत्री कृषि मंत्री ने भगवंत सिंह मान की वचनबद्धता दोहराते हुए कहा कि इस ऐप पर किसानों के लिए 1.30 लाख से अधिक सीआरएम मशीनों की मैपिंग की गई है। इस मोबाइल एप्लिकेशन के द्वारा किसान अपने आस-पास उपलब्ध मशीनों को आसानी से बुक कर सकते है। मशीन के उपयोग की निगरानी करने और किसानों द्वारा किए गए सभी अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए प्रत्येक मशीन को खेती योग्य भूमि के क्षेत्र के अनुसार जियो-टैग किया गया है। गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि मशीनों की बुकिंग प्रक्रिया में किसानों की सहायता के लिए 5,000 से अधिक फैसिलिटेटर/नोडल अधिकारी तैनात किए गए है। इस ऐप के माध्यम से निजी व्यक्ति, जिनके पास सी.आर.एम मशीनें, और बेलर एग्रीगेटर हैं, इस ऐप पर रजिस्ट्रेशन करवाकर कृषि उद्देश्यों के लिए अपनी मशीनें दान कर सकते है। उन्होंने बताया कि यह ऐप Google Play https://play.google.com/store/apps/details?id=com.app.unnatkisan और Apple App Store https://apps.apple.com/in/app पर उपलब्ध है। /unnat -kisan/id6451381977 से डाउनलोड किया जा सकता है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.